Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to provide a funds for Mridangachari Nana Saheb Panse Sangeet Academy.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह): माननीय अध्यक्ष जी, मैं तीसरी बार इस विषय को उठा रहा हूं।124 साल पुरानी मृदंग सम्राट नाना साहेब पानसे जी की गुरु पूर्णिमा देश की सबसे लंबी दूसरी प्रकार की परंपरा है। उनकी संगीत शैली उनके ही नाम पर जानी जाती है।

मैंने पहले भी भारत सरकार से आग्रह किया था, अंतर्राष्ट्रीय गुरु पूर्णिमा का अवसर उनका परिवार और उनके परिजन ही मनाते हैं, लेकिन अभी तक वहां सरकार की तरफ से कोई स्ट्रक्चर नहीं है। वे स्वयं अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे, मुगलों के खिलाफ लड़े थे, होल्करों के पास रहकर, नौकरी करके इस विधा को दिया। उनकी संगीत की विधा बकायन शैली है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि जो प्रोजेक्ट आया है, उसे दें ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कलाकार, जो गांव में रुकते हैं, उनको सुविधा मिल सके।

माननीय अध्यक्ष: श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।